MSW-001
MSW-002
MSW-005
MSW-003
MSW-004
MSW-006
MSWE-010
MSW-032

समाज कार्य में स्नातकोत्तर उपाधि

(एम.एस.डब्ल्यू. प्रथम वर्ष)

सत्रीय कार्य : 2024–2025

पाठ्यक्रम शीर्षक

एम.एस.डब्ल्यू–001	:	समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
एम.एस.डब्ल्यू–002	:	व्यावसायिक समाज कार्य : भारत परिप्रेक्ष्य
एम.एस.डब्ल्यू–005	:	समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण
एम.एस.डब्ल्यू.–003	:	आधारभूत सामाजिक विज्ञान की संकल्पनाएं
एम.एस.डब्ल्यू.–004	:	समाज कार्य एवं सामाजिक विकास
एम.एस.डब्ल्यू.–006	:	समाज कार्य अनुसंधान
एम.एस.डब्ल्यू.ई.–010	:	अफ्रीका के संदर्भ में समाज कार्य
एम.एस.डब्ल्यू–032	:	समाज कार्य और आपराधिक न्याय

अध्ययन केंद्र में सत्रीय कार्य जमा कराने की अन्तिम तारीखः

जुलाई,2024 सत्र – 31 मार्च,2025

जनवरी,2025 सत्र – 30 सितम्बर,2025

नोट : कृपया उन पाठ्यक्रमों के सत्रीय कार्य लिखें जिन्हें आपने चुना है।

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

समाज कार्य विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110 068

प्रिय शिक्षार्थी,

इन्दिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय (इग्नू) के एम.एस.डब्ल्यू. (प्रथम वर्ष)कार्यक्रम में आपका स्वागत है। आपने समाज कार्य में स्नातकोत्तर होने के लिए यह कार्यक्रम एक उद्देश्य के साथ चुना है ताकि आप मानवजाति की सामाजिक दशाएं सुधार सकें। एम.एस.डब्ल्यू. कार्यक्रम को सफलतापूर्वक पूरा करने के लिए, कृपया निम्नलिखित बातों का पालन करें:

- अपना अध्ययन आरंभ करने से पहले कार्यक्रम दर्शिका को पढ़िए। इससे इग्नू के एम.एस.डब्ल्यू. अध्ययन करने के बारे में आपके अधिकतर संदेह दूर हो जाएंगे।
- आप अपने सत्रीय कार्य अपने अध्ययन केंद्र में समय पर जमा कराएं।
- अपने अध्ययन केंद्र और क्षेत्रीय केंद्र के संपर्क में रहें।
- क्षेत्र कार्य पर्यवेक्षण के लिए अध्ययन केंद्र में अपने क्षेत्र कार्य पर्यवेष्क से मिलें।
- परीक्षा फार्म समय पर भरें।

सत्रीय कार्य एक खुली किताब है और हम इग्नू में प्रत्येक पाठ्यक्रम के समग्र ग्रेड की गणना करते समय सत्रीय कार्यों के लिए 30% भारित देते हैं। **सत्रीय कार्य हस्तलिखित और स्वहस्ताक्षरित होने चाहिए।** सत्रीय कार्य–प्रतिक्रिया का एक अच्छा सेट तैयार करने के लिए आप उन सभी अध्यायों को पढ़े जिनमें से सवाल तैयार किए गए हैं। आप अपने सहकर्मी, शैक्षिक परामर्शदाताओं और प्रोफेसरों के साथ चर्चा करें, जिन्होंने आपको पढ़ाया है। मसौदा तैयार करें, उस पर आवश्यक सुधार करें और तब अंतिम संस्करण अध्ययन केंद्र में प्रस्तुत करने के लिए तैयार करें।

हर सवाल का जवाब देने के लिए नया पृष्ठ शुरू करें। लंबे और मध्यम जवाब देने के लिए एक परिचय, मुख्य भाग के लिए एक उप–शीर्षक और एक निष्कर्ष हो। प्रत्येक अनुच्छेद के बीच एक लाईन छोड़ें। आपके जवाब विशिष्ट हों और आपके अपने शब्दों में हो, यह किताब की नकल ना हो। आपके उत्तर इग्नू के पठन सामग्री पर आधारित हों। सत्रीय कार्य आपके सत्रांत परीक्षा की तैयारी है, इसलिए इसे गंभीरतापूर्वक लें।

डॉ. सौम्या
(कार्यक्रम समन्वयक)

समाज कार्य का उद्‌गम और विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–001
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारत में समाज कार्य के इतिहास का पता लगाएँ। 20

अथवा

समाज क्रिया को परिभाषित करें। सामाजिक क्रिया के प्रमुख घटकों पर उदाहरणों सहित चर्चा करें। 20

2) समाज कार्य में पारिस्थितिकी तंत्र सिद्धांत के विकास पर चर्चा करें। 20

अथवा

भारत में समाज कार्य शिक्षा में मुक्त और दूरस्थ शिक्षा के इतिहास का पता लगाएँ। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिए:

क) व्यवहार के प्रतिमान में समाज कार्य अनुसंधान पद्धति के योगदान की व्याख्या करें। 10

ख) सामुदायिक संगठन और सामुदायिक विकास के बीच अंतर बताएँ। 10

ग) समाज कल्याण प्रशासन के व्यवहार की संक्षेप में रूपरेखा बनाएँ। 10

घ) उदाहरण सहित सामाजिक वैयक्तिक कार्य के दायरे पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिए:

क) समाज कार्य पेशे की विशेषताएँ क्या हैं? 5

ख) सामाजिक समूह कार्य की उत्पत्ति का वर्णन करें। 5

ग) समाज कार्य के उद्देश्यों की सूची बनाएँ। 5

घ) समाज कार्य ज्ञान के स्वदेशीकरण को परिभाषित करें। 5

ङ) NASW आचार संहिता को सूचीबद्ध करें। 5

च) एक सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा निभाई जाने वाली विभिन्न भूमिकाओं पर प्रकाश डालें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) धर्मार्थ संगठन 4

ख) सामाजिक न्याय 4

ग) सामाजिक सुरक्षा 4

घ) सामाजिक कल्याण 4

ङ) सामाजिक सुधार आंदोलन 4

च) सामाजिक कानून 4

छ) सामाजिक सुरक्षा 4

ज) सामाजिक नेटवर्क 4

व्यावसायिक समाज कार्यः भारत परिप्रेक्ष्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–002
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) उत्तर–गाँधीवादी काल में गाँधीवादी समाज कार्य के विकास और प्रभाव का वर्णन करें। 20

अथवा

समाज कार्य शिक्षा और साहित्य विकास के चरणों की व्याख्या करें। 20

2) नीति निर्माण और विकास में सामाजिक कार्यकर्ताओं की भूमिका पर चर्चा करें। उदाहरण दें। 20

अथवा

जैन धर्म और समाज कार्य को उपयुक्त उदाहरणों के साथ परिभाषित करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **300** शब्दों में) दीजिएः

क) उपयुक्त उदाहरणों के साथ समाज कार्य को करियर के रूप में परिभाषित करें। 10

ख) भारतीय समाज में सामाजिक सुधार आंदोलन के प्रभाव पर चर्चा करें। 10

ग) जैन धर्म के मूल आदर्शों की व्याख्या करें। 10

घ) राष्ट्रीय विकास परिषद क्या है? चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग **150** शब्दों में) दीजिएः

क) योजना आयोग के कार्यों को सूचीबद्ध कीजिए। 5

ख) एनएपीएसडब्ल्यूआई के उद्देश्य क्या हैं? संक्षेप में समझाइए। 5

ग) समाज कार्य अभ्यास के विभिन्न क्षेत्रों का वर्णन कीजिए। 5

घ) लोगों के कल्याण के संबंध में हिंदू धार्मिक संगठनों के प्रयासों पर संक्षेप में चर्चा कीजिए। 5

ङ) हिंदू धर्म और समाज कार्य को परिभाषित कीजिए। 5

च) बौद्धों की सामुदायिक सेवाओं और विकास के बारे में विस्तार से बताइए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर (लगभग **100** शब्दों में) संक्षिप्त टिप्पणियां लिखिएः

क) बौद्ध धर्म में हिंसा और अहिंसा 4

ख) समाज कार्य 4

ग) समाज कार्य की सेटिंग 4

घ) शिक्षा में समाज कार्य 4

ङ) सामाजिक नीति 4

च) पंचवर्षीय योजनाएँ 4

छ) गांधीवादी समाज कार्य 4

ज) सामाजिक कार्यकर्ता की छवि 4

समाज कार्य में प्रयोग और पर्यवेक्षण

सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–005
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) भारतीय परिदृश्य में क्षेत्र प्रशिक्षण में समस्याओं पर चर्चा करें। 20

अथवा

व्यक्तियों, परिवारों और समूहों के साथ काम करने में सीखने की अपेक्षाओं को प्रस्तुत करें। 20

2) सामान्य तनाव, उसके प्रभाव और तनाव से निपटने के तरीकों पर प्रकाश डालें। 20

अथवा

स्वास्थ्य देखभाल समाज कार्य में अभ्यास के क्षेत्रों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) चर्चा करें कि किसी को समाज कार्य अभ्यास के लिए खुद को कैसे तैयार करना है। 10

ख) समाज कार्य अभ्यास में छात्रों की सीखने की अपेक्षाओं और जिम्मेदारियों के बारे में विस्तार से लिखें। 10

ग) पर्यवेक्षण के मॉडल की व्याख्या करें? 10

घ) सुधारात्मक सेटिंग में सामाजिक कार्यकर्ता की भूमिकाएँ क्या हैं? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) समाज कार्य अभ्यास में अंत:विषय अभ्यास और शिक्षा की आवश्यकता का उल्लेख करें। 5

ख) अभ्यास में सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा लागू किए जाने वाले सिद्धांतों की व्याख्या करें। 5

ग) पर्यवेक्षण में संघर्ष से निपटने के तरीके का वर्णन करें। 5

घ) फील्ड प्रैक्टिकम की निगरानी में महत्वपूर्ण मुद्दों पर प्रकाश डालें। 5

ङ) छात्रों के मूल्यांकन मानदंडों पर चर्चा करें। 5

च) स्कूल सामाजिक कार्यकर्ता द्वारा किए गए कार्यों का उल्लेख करें। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग **100** शब्दों में) लिखिए:

क) दूरस्थ शिक्षा प्रणाली 4

ख) एजेंसी–ग्राहक संबंध 4

ग) समाज कार्य प्रैक्टिकम में अभिविन्यास 4

घ) संकाय पर्यवेक्षक की भूमिका 4

ङ) उपदेशात्मक पर्यवेक्षण 4

च) जेनोग्राम और इकोमैप 4

छ) कॉर्पोरेट क्षेत्र 4

ज) दाता एजेंसियाँ 4

आधारभूत सामाजिक विज्ञान की संकल्पनाएं
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–003
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) समाज कार्य का अन्य विषयों के साथ संबंध बताएं। 20

अथवा

व्यक्तित्व विकास के सिद्धांतों पर चर्चा करें। 20

2) मानव विकास और वृद्धि के चरणों की सूची बनाएं। 20

अथवा

परिवार प्रणाली में समकालीन समस्याओं की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (लगभग 300 शब्दों में) दीजिएः

क) शहरी, ग्रामीण और आदिवासी समुदायों के अंतरों की व्याख्या करें। 10

ख) प्रेरणा के सिद्धांतों पर चर्चा करें। 10

ग) समाजीकरण की मुख्य एजेंसियाँ क्या हैं? 10

घ) रक्षा तंत्र की अवधारणा का वर्णन करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (लगभग 150 शब्दों में) दीजिएः

क) समूहों की परिभाषा। समूह प्रक्रिया पर चर्चा करें। 5

ख) परिवार का अर्थ और कार्य स्पष्ट करें। 5

ग) पारिवारिक अव्यवस्था और सामाजिक कार्य हस्तक्षेप का क्या अर्थ है? 5

घ) समाज कार्य अभ्यास के लिए समाज और संस्कृति की अवधारणाओं की प्रासंगिकता का वर्णन करें। 5

ङ) समूह की आवश्यक विशेषताएँ क्या हैं? 5

च) ग्रामीण समुदाय और शहरी समुदाय के बीच अंतर को विस्तार से बताएँ। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (प्रत्येक लगभग 100 शब्दों में) लिखिएः

क) समाज 4
ख) सामाजिक स्तरीकरण 4
ग) मौखिक चरण 4
घ) दमन 4
ङ) उत्तर आधुनिक समाज 4
च) सामाजिक शिक्षा 4
छ) अपराधी व्यवहार 4
ज) प्रक्षेपण 4

समाज कार्य एवं सामाजिक विकास
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–004
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) प्रवास के सिद्धांतों का वर्णन करें और उनकी प्रासंगिकता की जाँच करें। 20

अथवा

सतत विकास की उत्पत्ति और विकास पर विस्तार से चर्चा करें। 20

2) राज्य नीति के निर्देशक सिद्धांतों को सूचीबद्ध करें। 20

अथवा

व्यक्तिगत / पारिवारिक कानूनों के तहत महिलाओं के अधिकारों की व्याख्या करें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) शहरीकरण को एक प्रक्रिया और उसके प्रभाव के रूप में समझाएँ। 10

ख) मानव विकास के संकेतकों का वर्णन करें। 10

ग) अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए कानूनों के प्रावधानों को स्पष्ट करें। 10

घ) सामाजिक कार्य और मानवाधिकारों के बीच क्या संबंध है? 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) ग्रामीण समुदाय पर वैश्वीकरण के प्रभाव का वर्णन करें। 5

ख) भारत में रोजगार और बेरोजगारी के रुझानों की व्याख्या करें। 5

ग) भारत में महिलाओं के लिए नीतियों और योजनाओं की सूची बनाएँ। 5

घ) बाल श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 पर प्रकाश डालिए। 5

ङ) स्वतंत्रता एवं अभिव्यक्ति के अधिकार पर एक टिप्पणी लिखिए। 5

च) औद्योगीकरण के परिणामों का विश्लेषण कीजिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) शहरीकरण 4

ख) उदारीकरण 4

ग) आज्ञापत्र 4

घ) जनसंख्या की राजनीति 4

ङ) मानव विकास सूचकांक (HDI) 4

ङ) कानूनी सहायता 4

च) सामाजिक वकालत 4

छ) सतत विकास 4

समाज कार्य अनुसंधान
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू–006
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) महिला विकास पर शोध प्रस्ताव तैयार करें। 20

अथवा

एकल विषय शोध डिजाइन की आवश्यकता और प्रक्रिया पर चर्चा करें। 20

2) उपयुक्त उदाहरणों के साथ नमूनाकरण के तरीकों को स्पष्ट करें। 20

अथवा

उपयुक्त उदाहरण के साथ केंद्रीय प्रवृत्ति के उपायों को प्रस्तुत करें 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) शोध प्रक्रिया के चरणों की संक्षेप में व्याख्या करें। 10

ख) वर्णनात्मक और क्रियात्मक शोध डिजाइन के प्रमुख पहलुओं पर प्रकाश डालें। 10

ग) सामाजिक शोध में अवलोकन की प्रमुख विशेषताओं और उपयोग को सूचीबद्ध करें। 10

घ) शोध रिपोर्ट लिखने के तरीके पर चर्चा करें। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) परिकल्पना के परीक्षण के चरणों को सूचीबद्ध करें। 5

ख) वैज्ञानिक पद्धति की प्रमुख विशेषताओं की व्याख्या करें। 5

ग) प्रायोगिक शोध की विशेषताएँ क्या हैं? 5

घ) प्रश्नावली और साक्षात्कार अनुसूची के बीच अंतर करें 5

ङ) साक्षात्कार की तकनीक की व्याख्या करें। 5

च) ची–स्क्वायर परीक्षण के उपयोग पर चर्चा करें 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) कार्यक्रम मूल्यांकन अनुसंधान 4

ख) समाज कार्य अनुसंधान 4

ग) गुणात्मक अनुसंधान 4

घ) केस स्टडी विधि 4

ङ) डेटा की अवधारणा 4

च) द्विचर विश्लेषण 4

छ) अनुमानात्मक सांख्यिकी 4

ज) वर्णनात्मक सांख्यिकी 4

अफ्रीका के संदर्भ में समाज कार्य
सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एस.डब्ल्यू.ई.–010
कुल अंक–100

नोट : i) सभी **पांचों** प्रश्नों के उत्तर दीजिए।
ii) सभी **पांचों** प्रश्नों के अंक समान हैं।
iii) प्रश्न सं. **1** और **2** के उत्तर, प्रत्येक के **600** शब्दों से अधिक नहीं होने चाहिए।

1) कल्याणकारी सेवाओं के प्रावधान में एनजीओ और एफबीओ की भूमिका की व्याख्या करें। 20

अथवा

अफ्रीका में समाज कल्याण अभ्यास कार्यक्रम के प्रकारों पर चर्चा करें। 20

2) एक कुशल हस्तक्षेप के लिए सामुदायिक कार्यकर्ता द्वारा आवश्यक किसी भी छह कौशल का वर्णन करें। 20

अथवा

आप सामुदायिक पुलिसिंग से क्या समझते हैं? इसकी विशिष्ट विशेषताओं के बारे में लिखें। 20

3) निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** प्रश्नों का उत्तर (**300** शब्दों में) दीजिए:

क) NASW कोड के नैतिक सिद्धांतों की संक्षेप में व्याख्या करें। 10

ख) इथियोपियाई स्वास्थ्य सेवा विस्तार कार्यक्रम की उपलब्धियाँ क्या हैं? 10

ग) इथियोपियाई समुदाय में पारंपरिक संघ कैसे उभरे? 10

घ) बताएं कि इथियोपिया में ASWEA कैसे बनाया गया। 10

4) निम्नलिखित में से किन्हीं **चार** प्रश्नों का उत्तर (**150** शब्दों में) दीजिए:

क) समाज कार्य अभ्यास में समाज कार्य मूल्यों और नैतिकता की प्रासंगिकता के बारे में लिखें। 5

ख) इथियोपिया में समाज कार्य पेशे की वर्तमान स्थिति क्या है? 5

ग) समाज कार्य अनुसंधान की कोई तीन विशेषताएँ बताइए। 5

घ) आपके विचार से अफ्रीका में समाज कार्य का भविष्य क्या है? व्याख्या कीजिए। 5

ङ) वैयक्तिक कार्य प्रक्रिया में शामिल चरणों पर प्रकाश डालिए। 5

च) सामाजिक समूह कार्य के लक्ष्यों और कार्यों के बारे में लिखिए। 5

5) निम्नलिखित में से किन्हीं **पांच** पर संक्षिप्त टिप्पणियां (**100** शब्दों में) लिखिए:

क) इथियोपिया में PHC के तत्व 4

ख) सामाजिक आंदोलन 4

ग) नजरबंदी 4

घ) घरेलू हिंसा 4

ङ) मूल्य के रूप में मानवीय संबंधों का महत्व 4

च) महबर 4

छ) सामाजिक बीमा 4

ज) कार्यक्षेत्र सिद्धांत 4

समाज कार्य और आपराधिक न्याय (एम.एम.डब्ल्यू.–032)

पाठ्यक्रम कोडः एम.एम.डब्ल्यू.–032
अधिकतम अंक : 100

नोट : i) निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं **पाँच** प्रश्नों के उत्तर दें।
ii) उत्तर लगभग **300 शब्दों** में दीजिए।
iii) **सभी** प्रश्नों के **अंक समान** हैं।

1. अपराध के आवश्यक तत्व क्या हैं? आपराधिक न्यायशास्त्र के विभिन्न सिद्धांतों पर चर्चा करें। 20

2. किशोर अपराध के संबंध में अपराध विज्ञान के पारिस्थितिक स्कूल का महत्वपूर्ण योगदान क्या है? 20

3. भारतीय दंड संहिता, 1860 की प्रमुख विशेषताओं पर चर्चा करें। 20

4. भारत में आपराधिक न्याय प्रणाली के ऐतिहासिक विकास का पता लगाएँ। 20

5. भारतीय संदर्भ में आपराधिक न्याय की एजेंसी के रूप में पुलिस की व्याख्या करें। 20

6. निर्दोषता की धारणा भारत में आपराधिक न्याय प्रणाली की आधारशिला है। विस्तार से चर्चा करें। 20

7. आरोप तय करने से आपका क्या अभिप्राय है? भारत में आपराधिक न्याय प्रक्रिया में इसके महत्व पर चर्चा करें। 20

8. भारत में कैदियों के अधिकारों को आगे बढ़ाने में विधायिका और न्यायपालिका की भूमिका पर चर्चा करें। 20